

अस्थायी परिवर्तनों प्रबंधन- जिसमें क्लेम्प भी सम्मिलित है !

जुलाई 2022



चित्र 1 . वाल्व , जिससे स्त्राव हो रहा था , उस के ऊपर लगा हुआ क्लेम्प

एक संयंत्र में पाइप लाइन से स्त्राव की घटना हुई और उस की उचित मरम्मत के लिए सही प्रकार से शट डाउन भी नहीं हो पाया । संयंत्र ने स्त्राव को रोकने की अपनी प्रक्रिया के अनुसार, जरूरी विशेषज्ञों के सलाह परामर्श किया और 6 महीने के लिए अस्थायी क्लेम्प का अनुमोदन किया । उस के पश्चात , क्लेम्प की स्थिति का अवलोकन किया जाना था , उस का मूल्यांकन किया जाना भी था , और यदि यह स्वीकृत था , उस का उचित लोगो के द्वारा पुनः अनुमोदन किया जाना था । दो वर्षों के पश्चात , इसी क्लेम्प से विसर्जन होने लगा । पुनः मूल्यांकन और दोबारा से अनुमोदन बहुत समय तक हुआ ही नहीं और संगठन की नीतियों और प्रक्रियाओं की अधिकतम सीमा का उल्लंघन कर , क्लेम्प बहुत अधिक समय के लिए प्रयोग में रहा ।

उस स्थिति में जब उचित मरम्मत नहीं की जा सकती , पाइप के ऊपर लगा हुआ क्लेम्प समस्या का एक अस्थायी हल था । मूल पाइप से यह काफी कमजोर था । इस के अतिरिक्त , जिन कारणों वश पहला स्त्राव हुआ , उस का कारण का पता ही नहीं लगाया गया । इस का स्थायी समाधान अत्यावश्यक है । पाइप के ऊपर क्लेम्प कभी भी “ स्थायी ” हल नहीं होते ।

सभी अस्थायी परिवर्तनों का प्रबंधन संगठन की परिवर्तन प्रक्रिया का प्रबंधन के अनुसार ही होना चाहिए । और सबसे उच्च प्रणाली का अनुसरण करते हुये “ शटडाउन ” जैसी कार्य विधि का पालन करना चाहिए , जिस में अनुरक्षण अगले शट डाउन में स्त्राव वाली पाइप को बदल सके ।

क्या आप जानते हैं ?

- पाइप के ऊपर क्लेम्प लगाने की प्रक्रिया स्त्राव का अस्थायी प्रकार से निवारण के लिए , अभियांत्रिकी उपायों में से एक है । यह स्त्राव वाले स्थान पर दबाव वाले लिफाफे का रखा जाता है , उस के आंतरिक जगह को भरने के लिए और उस को सील करने के लिए पॉलिमर (Polymer) को पंप किया जाता है। यह स्त्राव को रोकने के लिए एक प्रभावशाली विधि है ।
- जोखिम भरे उद्योगों में सभी परिवर्तनों का अवलोकन किया जाना चाहिए , उनकी स्वीकृति और अपने संगठन की परिवर्तन प्रक्रिया का प्रबंधन के अंतर्गत होना आवश्यक है ।
- पाइप पर लगे हुए क्लेम्पों का उद्देश्य हमेशा के लिए नहीं होता । अंततः , पाइप या वाल्व को उस वाल्व या पाइप से बदल देना चाहिए , जो मूल पाइप की विशिष्ट विवरण के अनुसार उपलब्ध है ।
- हम सरलता से अस्थायी मरम्मत जैसे कि पाइप के ऊपर क्लेम्प को भूल जाते हैं , जब कि उस को आसानी से देखा जा सकता है ।
- उपकरणों प्रणाली का उद्देश्य प्रोसेस उपकरणों की संपूर्णता और प्रामाणिकता को बनाए रखना है । जब इन पदार्थों का पालन नहीं होता , उपकरण की विश्वसनीयता में गिरावट आ जाती है , और सुरक्षा में समझौता करना पड़ता है।
- एक बाईपास किया हुआ नियंत्रण या उपकरण/यंत्र स्पष्ट तरीके से न दिखे, ऐसा भी हो सकता है ।

आप क्या कर सकते हैं ?

- जब आप कोई अस्थायी मरम्मत देखते हैं , इस के बारे में अपने पर्यवेक्षक से पूछें । आप के प्रश्न से अवलोकन या निरीक्षण के बारे में आवश्यक जानकारी मिलेगी।
- प्रत्येक अस्थायी मरम्मत के साथ अनुमोदित अस्थायी एम ओ सी (MOC) होना आवश्यक है । अस्थायी एम ओ सी का प्रबंधन कठोरता से होना चाहिए। इस में सामान्य जांच और पुनः आधिकारिक स्वीकृति सम्मिलित है , जब तक आने वाले शटडाउन में स्थायी समाधान नहीं होता ।
- प्रोसेस के भिन्न भागों/खंडों को निरीक्षण या प्रामाणिकता के लिए अस्थायी रूप से बाईपास भी किया जा सकता है। यदि आप अपने निरीक्षण के समय देखते हैं, तो इसकी सूचना प्रयवेक्षक को अवश्य दें। जब तक आप को आज्ञा न हो , तब तक इसमें कोई भी परिवर्तन न करें ।
- नियंत्रण प्रणालिया , जो की बाईपास की गई हैं , उनको ढूँढना बहुत ही कठिन कार्य है । कुछ नियंत्रण प्रणालियों में यह सुविधा उपलब्ध होती है , जिस में यह पता लग सकता है, कौन सी नियंत्रण खंडों या भागों को बाईपास किया गया है , और कौन सी निष्क्रिय है या प्रयोग में नहीं है ।

अस्थायी का वास्तविक अर्थ है अस्थायी